International Journal of Arts & Education Research

18वीं शताब्दी में नारी की स्थिति

विपिन कुमार*[1]

[1]शोधार्थी, सी0एम0जे0 विश्वविद्यालय, मेघालय.

18वीं शताब्दी, अवनति और ह्रास का युग थी। जहां यूरोप में ज्ञानबोध का युग चल रहा था, वहां भारत में इस दौरान निष्क्रियता और जड़ता का दौर था। 1707 में अन्तिम मुगल सम्राट औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात राजतंत्र बड़ी तेजी से टूटना शुरू हो गया था, यही कारण था कि मुगल साम्राज्य के पतन के साथ ही असीमित राजनीतिक अव्यवस्था का दौर प्रारम्भ हो गया। वास्तव में मुगल साम्राज्य और इसके साथ भारत में मराठा आधिपत्य इसलिए समाप्त हुए क्योंकि भारतीय समाज मूल रूप से सड़ा हुआ था, राजस्व पूर्णतया भ्रष्ट और अकर्मण्ड हो गया। इसी क्षीणता और भ्रान्ति के वातावरण में हमारा साहित्य, कला और सत्यधर्म सभी लोप हो गए।[1] मुगल साम्राज्य के विरोधियों ने कोई नया ढांचा स्थापित नहीं किया, इसके पश्चात आने वाले युग में स्थिति कोई बहुत अच्छी नहीं दीखती।"[2]

IJAER

*Corresponding Author